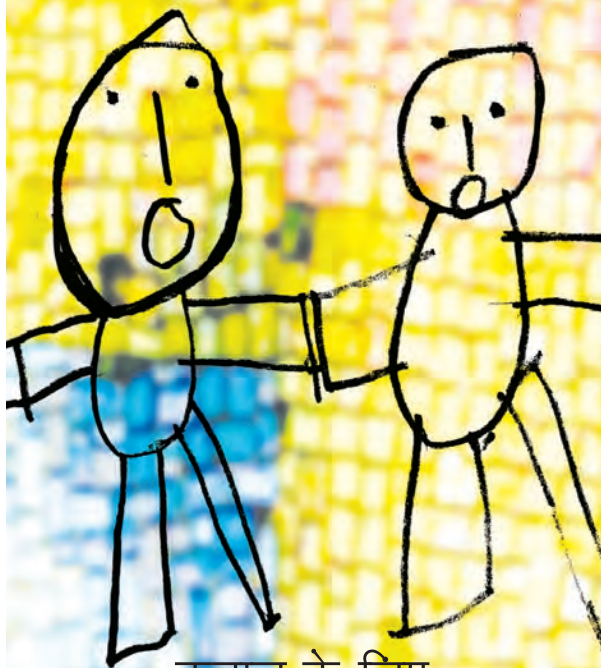


छुट्टी वाला दिन

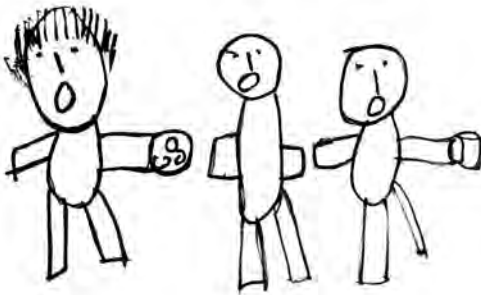


कुनाल के लिए

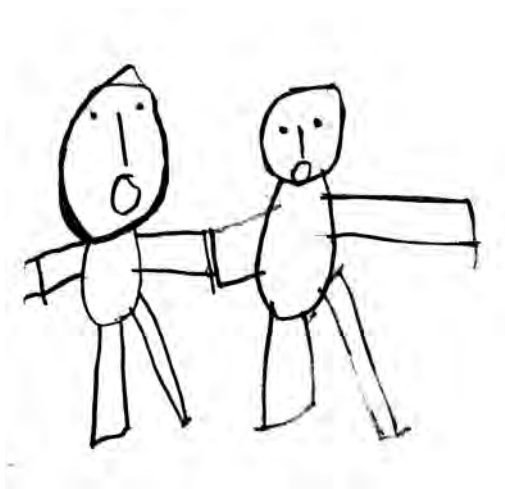
मैं देर तक सोता हूँ।



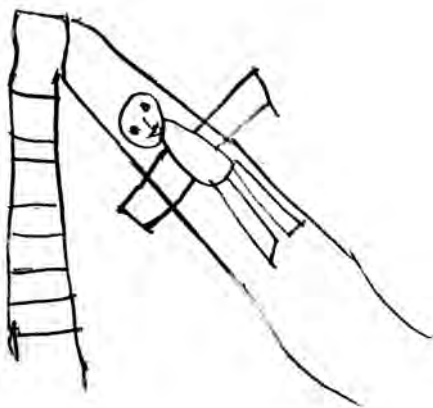
नानी, मामा और मैं एक साथ
नाश्ता करते हैं।



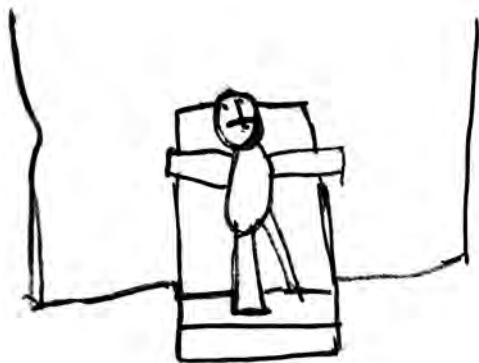
मैं अपने दोस्त के साथ पकड़म-
पकड़ाई खेलता हूँ।



मैं स्कूल के अंदर जाकर झूले
झूलता हूँ।



दोपहर में भूख लगते ही खाना
खाने घर जाता हूँ।



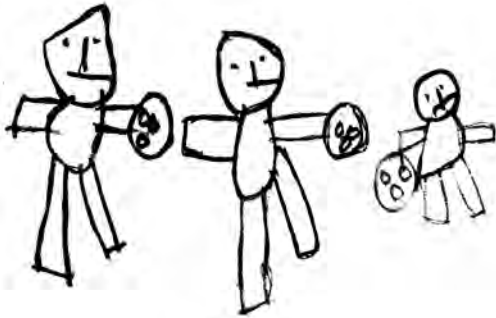
थोड़ी देर अपने खोखे में बैठा
हूँ।



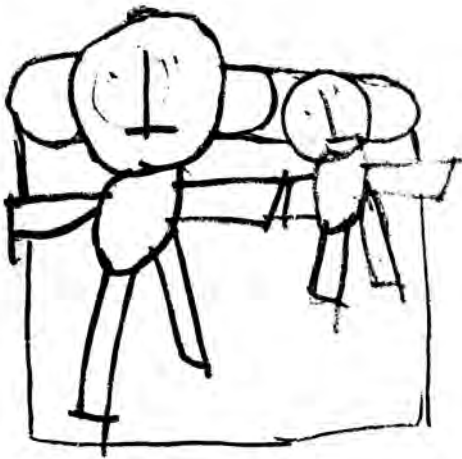
देर तक अपने दोस्तों के साथ
खेलता रहता हूँ।



रात को मामा आवाज़ लगाते हैं और
हम सब साथ में खाना खाते हैं।



नानी के साथ फिर मैं सो जाता हूँ।



छुट्टी वाला दिन

लेखन और चित्र: निकिता, नीतू और
कुनाल

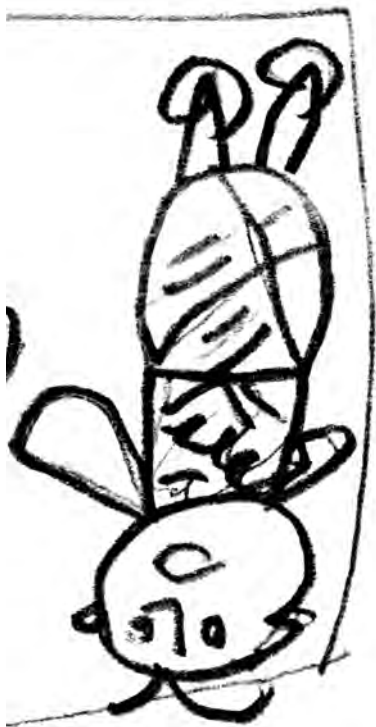
लर्निंग कलेक्टिव 01,
दक्षिणपुरी, नई दिल्ली-110062

प्रकाशक :
अंकुर सोसायटी फॉर ऑल्टर्नेटिव्ज़ इन एजुकेशन

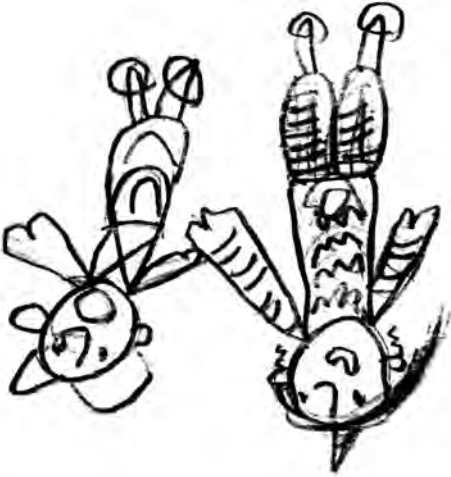
2014



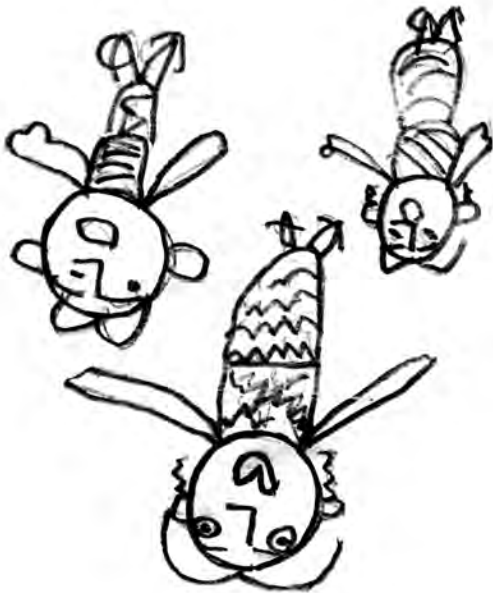




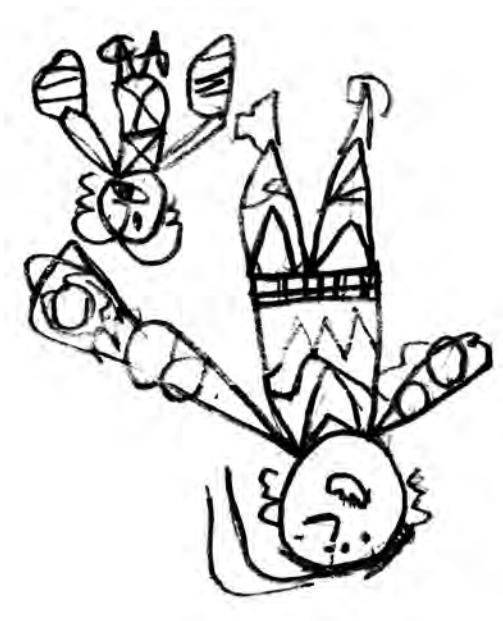
रात में पापा के साथ थपड़ बने
सो जाती हूँ।



ममी आवजं लगाकर बोलती हूँ,
खाना खायेगी तो मैं हूँ कहती हूँ
और खाना खाने पर चली जाती हूँ।

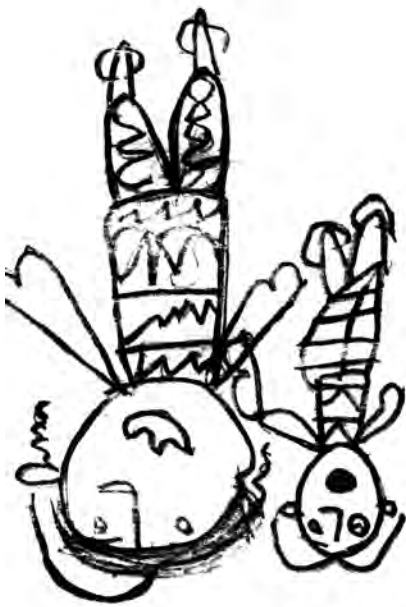


फिर मैं अपनी बहन और सहेली
के साथ भूत-भूत खेलती हूँ।



कवचिका

मन्त्र के साथ ही ध्यान का काम



ममी को जगती है।



जन्म
जन्मी से नष्ट-धोकर तैयार हो



ਬਾਰ ਭਯੋ ਮੈਂ ਰਹ ਜਾਵੀ ਯਾਂ।

ନନ୍ଦୁ କି ପିଠା ଯାଏ ଲାକ୍ଷ୍ମୀ



ନନ୍ଦୁ ଯାଏ ଡିଡ଼ି